पुष्कर पशु मेले की तैयारियां अंतिम चरण में, 19 से पशु प्रतियोगिताएं शुरु होंगी

पशुपालकों का पुष्कर पहुंचना शुरू, 26 नवंबर तक चलेगा प्रतियोगिताओं का दौर

पुष्कर, (निसं)। विश्व प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर पशु मेला-2026 अब धीरे-धीरे अपने पूरे रंग में आने लगा है। मेले की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं और पशुपालकों का अपने पशुधन के साथ पुष्कर पहुंचना शुरू हो गया है। राज्य सरकार के पशुपालन विभाग ने मेले के तहत आयोजित होने वाली पशु प्रतियोगिताओं की समय सारणी जारी कर दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 नवंबर से 26 नवंबर तक विभिन्न नस्लों और श्रेणियों के पशुओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं को लेकर पशुपालकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मेला अधिकारी डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि इस वर्ष पशु प्रतियोगिताओं के सफल और व्यवस्थित आयोजन के लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसके तहत पशुओं के पंजीकरण से लेकर विभिन्न नस्लों की प्रतियोगिताओं, परिणामों की घोषणा, पुरस्कार वितरण और समापन समारोह तक की रूपरेखा निर्धारित कर दी गई है। प्रतियोगिताओं में अश्व, ऊंट, बकरी, भैंस, गीर नस्ल के पशु और नागौरी बैलों सहित विभिन्न श्रेणियों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 19 नवंबर, गुरुवार को पशुओं के पंजीकरण के साथ होगा। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पशुओं को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पशुपालन विभाग की ओर से आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं।

- **पुष्कर पशु मेले में अश्व, ऊंट, भैंस, बकरी और नागौरी बैलों की प्रतिस्पर्धायें होंगी**

पशुपालकों के पहुंचने से बढ़ने लगी मेले की रौनक :-पशु मेले में भाग लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से पशुपालकों का पुष्कर पहुंचना शुरू हो गया है। पशुपालक अपने साथ आकर्षक और उन्नत नस्ल के पशु लेकर पहुंच रहे हैं। आने वाले दिनों में पशुधन की संख्या बढ़ने के साथ मेला मैदान में रौनक और बढ़ने की उम्मीद है। विभाग की ओर से पशुपालकों से निर्धारित समय पर अपने पशुओं का पंजीकरण करवाने और प्रतियोगिताओं से संबंधित नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

पशुधन संरक्षण और नस्ल सुधार का भी बड़ा मंच :-गौरतलब है कि पुष्कर पशु मेला केवल धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन ही नहीं, बल्कि पशुधन संरक्षण, नस्ल सुधार और पारंपरिक पशुपालन को प्रोत्साहन देने का भी महत्वपूर्ण मंच है। यहाँ हर वर्ष राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से पशुपालक अपने श्रेष्ठ नस्ल के पशुओं के साथ पहुंचते हैं। पशु प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्ट पशुधन की पहचान और पशुपालकों को प्रोत्साहन मिलता है। ऐसे में इस बार भी 19 से 26 नवंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं को लेकर पशुपालकों के साथ-साथ देशी-विदेशी पर्यटकों में भी खासा उत्साह रहने की उम्मीद है।

भीलवाड़ा शहर में अज्ञात युवक का शव मिला

पुलिस ने मृतक के दाएं हाथ पर टैटू से पहचान की कोशिश शुरु की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक संदिग्ध मामला सामने आया है। अरिहंत हॉस्पिटल के नजदीक एक दुकान के बाहर फर्श पर करीब 30-35 साल के एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह-सवेरे घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और फौरन पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

टैटू और पहनावे से पहचान की जुगत : -पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतक की पहचान अभी तक उजागर नहीं हो सकी है। हालांकि, उसकी शिनाख्त के लिए पुलिस ने उसके शारीरिक हुलिया और कपड़ों का ब्योरा सार्वजनिक किया है। स्थानीय लोगों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार मृतक के बंजारा जाति से ताल्लुक रखने की संभावना जताई जा रही है।



भीलवाड़ा में दुकान के बाहर फर्श पर अज्ञात युवक का शव मिला।

- **पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया**

मोर्चरी में रखवाया गया शव : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पहचान सुनिश्चित होने तक सुरक्षित रखने के लिए उसे महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा की मोर्चरी में रखवा दिया है। कोतवाली थाना पुलिस ने आसपास के तमाम थाना क्षेत्रों और आम जनता से अपील की है कि यदि उपर्युक्त हुलिया से मेल खाता हुआ कोई व्यक्ति आपके आस-पास गुमशुदा है तो कोतवाली थाना पुलिस भीलवाड़ा को सूचित करे।

निर्दोष को फंसाने की साजिश की नाकाम, आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की पुलिस टीम ने नाबालिग से दुष्कर्म की शिकायत मिलने पर मामले में कार्रवाई व अनुसंधान करते हुए लड़की के प्रेमी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 30 अक्टूबर को जिला कोटा ग्रामीण में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की शिकायत प्राप्त हुई। फरियादिया ने ग्रामीण के एक थाने में दी गई शिकायत में कहा कि करीब 2 वर्ष पहले इंस्टाग्राम पर कोटा निवासी एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक इंस्टाग्राम पर एवं फोन पर बातें करता था। शिकायत में कहा कि कोटा निवासी युवक अपने अन्य साथियों के साथ उसके गांव आया और गांव से बाइक पर कोटा चलने की कहकर साथ ले गया, रास्ते में नहर के समीप काले रंग की कार खड़ी थी। बाद में कार से कोटा लेकर गए, जहां सुनसान जगह पर ले जाकर कार रोक दी और उसके साथ युवक ने दुष्कर्म किया एवं उसके साथियों ने भी छेड़छाड़ की और बाद में उसे गांव छोड़ दिया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादिया की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान के लिये पुलिस उप अधीक्षक अरूण कुमार के सुपरविजन में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को पकड़ा एवं पूछताछ की तो पुलिस पूछताछ व अनुसंधान में कोई ठोस सबूत नहीं मिलने के वजह से पुलिस को फरियादिया पर शक हुआ। टीम ने मामले में सूझबूझ, सतर्कता एवं आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए मामले की प्रत्येक कड़ी का बारीकी से विश्लेषण किया तो मामले में सामने आया कि प्रेम प्रसंग का किसी को पता न चले इसके चलते नाबालिग लड़की ने सोची समझी साजिश के तहत दुष्कर्म का झूठा आरोप कोटा निवासी युवक व उसके साथियों पर लगा दिया, जबकि फरियादिया कोटा निवासी युवक से कभी भी पूर्व में मिली नहीं था, बस केवल 2 वर्ष पूर्व इन्स्टाग्राम सोशल अकाउण्ट पर एक-दो बार मैसेज के माध्यम से सामान्य तौर पर बात हुई थी।

- **मामले में सामने आया कि प्रेम प्रसंग का किसी को पता न चले इसके चलते नाबालिग लड़की ने सोची समझी साजिश के तहत दुष्कर्म का झूठा आरोप कोटा निवासी युवक व उसके साथियों पर लगा दिया**

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में घटनाक्रम का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी की पहचान कर प्रेमी (मुख्य आरोपी) के बारे में गठित टीम को सूचना दी कि नीरज नाम के व्यक्ति का फरियादिया के साथ सम्पर्क होना पाया गया है। उक्त सूचना पर गठित टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति नीरज को डिटेन कर गहन पूछताछ एवं तकनीकी अनुसंधान किया गया तो उक्त संदिग्ध व्यक्ति ने फरियादिया के साथ दुष्कर्म की घटना करने को स्वीकार करना एवं अपराधी में मोबाईल में डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त हुए। आरोपी नीरज को फरियादिया के साथ दुष्कर्म करने की वारदात में गिरफ्तार किया गया एवं अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में अंधेरा, मोबाइल की रोशनी में नेत्रदान हुआ

कोटा, (निसं)। दीपावली का पर्व, जब हर घर में खुशियों के दीप जल रहे थे तब बूंदी के एक परिवार के घर का चिराग सड़क दुर्घटना में हमेशा के लिए बुझ गया। महज 18 वर्ष की उम्र में अर्जुन धाकड़ इस दुनिया को अलविदा कह गया। जिस उम्र में उसके सपनों को नई उड़ान मिलनी थी, उस उम्र में एक सड़क दुर्घटना ने परिवार की खुशियां छीन लीं। लेकिन इस असहनीय दुख और पीड़ा के बीच अर्जुन के पिता रामराज नागर ने ऐसा निर्णय लिया, जिसने उनके बेटे की विदाई को मानवता की एक अविस्मरणीय मिसाल बना दिया। अपने जवान बेटे को खोने के बावजूद परिवार ने उसके नेत्रदान की सहमति दी, ताकि उसकी आंखों से किसी दृष्टिहीन व्यक्ति की दुनिया रोशन हो सके। पिता रामराज, करीबी रिश्तेदार सुरेश व श्याम नागर से नेत्रदान के लिये सहमति मिलने के बाद संस्था शाइन इंडिया के ज्योति मित्र राजेश खोईवाल और इदरिस बोहरा की सूचना पर, देर रात 1 बजे कोटा से डॉ. कुलवंत गौड़ और उनके सहयोगी मार्कण्डेय दाधीच के नेतृत्व में जिला अस्पताल बूंदी की मोर्चरी में नेत्रदान का कार्य संपन्न हुआ।

इस नेत्रदान की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। रात्रि करीब 1 बजे जब नेत्रदान के लिए शाइन इंडिया फाउंडेशन की टीम बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंची, तो वहां की स्थिति बेहद निराशाजनक थी। मोर्चरी के कमरे में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था नहीं थी। पूरे कमरे में धूल जमी हुई थी और साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। आवश्यक रोशनी के अभाव में नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर संपन्न करनी पड़ी।

इस पुनीत कार्य में जिला चिकित्सालय के मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. आशीष शर्मा एवं पुलिस चौकी स्टाफ के नवदीप मीणा का भी सराहनीय सहयोग रहा। अर्जुन के पिता रामराज नागर ने शहरवासियों को यह संदेश दिया कि सच्चा प्रेम केवल अपने प्रियजन को अपने पास रखने में नहीं, बल्कि उसके जाने के बाद भी उसके माध्यम से किसी दूसरे को जीवन की खुशियां देने में है।

शाइन इंडिया के डॉ. कुलवंत गौड़ ने कहा कि जिस स्थान पर किसी परिवार को अपने दिवंगत परिजन के अंतिम दर्शन करने होते हैं, जिस जगह शोकाकुल परिजन अपने प्रियजन के पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए रखते हैं, उस स्थान की ऐसी बदहाल स्थिति आखिर क्यों है? मोर्चरी जैसे संवेदनशील स्थान पर पर्याप्त लाइट, नियमित सफाई, धूल-मुक्त वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना क्या अस्पताल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं है? किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोना ही सबसे बड़ी पीड़ा होती है। ऐसे में उन्हें गंदगी, धूल और अंधेरे से भरे कमरे में अपने दिवंगत परिजन के पार्थिव शरीर को रखने की मजबूरी क्यों झेलनी पड़े।

फ्रांस से दूल्हा बारात लेकर संगरिया पहुंचा

हनुमानगढ़, निसं)। जिले के संगरिया में फ्रांस से दूल्हा अपनी बारात लेकर पहुंचा तो पूरा इलाका इस अनोखी शादी का गवाह बन गया। फ्रांस निवासी मैकेनिकल इंजीनियर रोमेन ने संगरिया की बेटी दिव्या ज्योति के साथ भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के बीच 7 फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का वादा किया।

जानकारी के अनुसार इस शादी का सबसे खास नजारा तब देखने को मिला, जब फ्रांस से आए विदेशी बाराती भारतीय गानों की धुन पर जमकर थिरके। पारंपरिक भारतीय शादी का रंग, ढोल-नगाड़ों की गूंज और विदेशी मेहमानों का देसी अंदाज समारोह का आकर्षण बन गया। संगरिया निवासी सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी की बेटी दिव्या ज्योति ने ग्वालियर से बीटेक की डिग्री हासिल की और इसके बाद अपने करियर की शुरुआत की। दिव्या ने गुरुग्राम और नोएडा में प्रतिष्ठित कंपनियों में काम किया। इसके बाद वह न्यूजीलैंड में नौकरी करने लगीं। न्यूजीलैंड में रहते हुए ही दिव्या की मुलाकात फ्रांस निवासी मैकेनिकल इंजीनियर रोमेन से हुई। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य परिचय हुआ, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती गहरी होती चली गई। एक-दूसरे को समझने और जानने के साथ दोनों के बीच प्यार का रिश्ता बन गया। आखिरकार दोनों ने जीवनभर साथ रहने का फैसला किया। दिव्या ज्योति और रोमेन ने जब विवाह करने का निर्णय लिया तो दोनों परिवारों ने भी खुशी-खुशी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। परिवारों की सहमति के बाद विवाह समारोह संगरिया में आयोजित करने का फैसला हुआ। इसके बाद फ्रांस से दूल्हा रोमेन अपने परिजनों और दोस्तों के साथ बारात लेकर संगरिया पहुंच गए। दिव्या ज्योति और रोमेन की यह शादी महज 2 लोगों का विवाह नहीं, बल्कि दो देशों की संस्कृतियों, परंपराओं और परिवारों के मिलन की खूबसूरत मिसाल बन गई।

- **भारतीय रीति-रिवाज से की शादी, हिंदी गानों पर नाचे विदेशी मेहमान**

छोटी दिवाली मनाई

जयपुर। सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित श्री शुक सम्प्रदाय आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में शनिवार को पंच दिवसीय दीपमालिका महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को छोटी दिवाली मनाई गई। श्री शुक सम्प्रदायाचार्य पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण जी महाराज के सान्निध्य में ठाकुर श्री राधा सरस बिहारी जू सरकार एवं आचार्य सद्गुरुदेव सरकार के विशेष सेवा-दर्शन, पुष्प एवं मणिमय शृंगार और विविध धार्मिक कार्यक्रम हुए। विशेष शृंगार एवं सेवा-दर्शन प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक हुए। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि रूप चतुर्दशी पर ठाकुरजी को केसर-चंदन का उबटन लगाकर शृंगार किया गया। आचार्य चरण पादुका का अर्चन हुआ। आठ नवंबर को दीपावली पर विशेष मणिमय एवं पुष्प शृंगार, दीपमालिका पूजन तथा रात्रि में चौसर झांकी सजाई जाएगी।

थाईलैंड घूमता रहा कैदी, श्रीगंगानगर जेल में लगती रही फर्जी हाजिरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां खुली जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी दीक्षित कामरा अक्टूबर 2026 में पांच दिन थाईलैंड घूमने गया था। इस दौरान जेल के रिकॉर्ड में उसकी हाजिरी लगती रही। मामले में जेल प्रहरी हापूराम पर कैदी की गैरमौजूदगी के बावजूद उसकी मौजूदगी दर्ज करने और झूठी रिपोर्ट देने का आरोप है। उसे सस्पेंड कर दिया गया है। बीकानेर-जोधपुर रेंज के जेल उप महानिरीक्षक की रिपोर्ट पर घमूडवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दीक्षित कामरा पुत्र राजीव कामरा मूल रूप से श्रीगंगानगर के पदमपुर की इंदिरा कॉलोनी के वार्ड नंबर 3 का रहने वाला है। वह फिलहाल जयपुर की अनिता कॉलोनी स्थित ईडन गार्डन में रह रहा था। 3 मई 2026 से वह खुला बंदी शिविर नरसिंहपुरा बिरानी की खुली जेल में सजा काट रहा था। जांच के दौरान उसके पासपोर्ट की डिटेल से पता चला कि वह 9 से 13 अक्टूबर 2026 के बीच थाईलैंड गया था। इस दौरान खुली जेल के रिकॉर्ड में उसकी हाजिरी लगातार दर्ज होती रही। खुला बंदी शिविर में प्रहरी हापूराम की ड्यूटी थी। आरोप है कि उसने कैदी के साथ मिलीभगत कर उसकी गैर मौजूदगी के बावजूद जेल में मौजूदगी दर्ज की और इस संबंध में झूठी रिपोर्ट भी पेश की। रिपोर्ट में बताया गया कि श्रीगंगानगर जेल अधीक्षक को कैदी की पुरानी फोटो भेजी गई थी। इस तरह खुली जेल नियम 1972 के नियमों और तय शर्तों का उल्लंघन किया गया। मामले में हापूराम को सस्पेंड कर दिया गया है।

- **कैदी पांच दिन तक विदेश में रहा, कैदी से मिलीभगत के आरोप में जेल प्रहरी सस्पेंड**

जानकारी के अनुसार दीक्षित कामरा को कुछ दिन पहले कार में 40 ग्राम अफीम के साथ पकड़ा गया था। जवाहर नगर थाना पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएक्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इसी मामले के बाद उसकी पुरानी विदेश यात्रा की जानकारी सामने आई। पासपोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, वह अक्टूबर 2026 में थाईलैंड गया था। अब जेल प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर उसकी विदेश यात्रा के दौरान फर्जी हाजिरी लगाने के मामले में अलग से रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीक्षित कामरा और प्रिया सेठ साल 2018 से दुष्यंत शर्मा की हत्या के मामले में जेल में हैं। पुलिस के अनुसार, साल 2018 में प्रिया सेठ ने अपने प्रेमी दीक्षित कामरा का कर्ज चुकाने के लिए दुष्यंत शर्मा को हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उससे संबंध बनाए और दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगे।

रिपोर्ट के अनुसार, 2 मई 2018 की रात प्रिया और उसके साथियों ने दुष्यंत का अपहरण कर उसे टॉर्चर किया और उसके पिता से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी। दुष्यंत के अकाउंट में 3 लाख रुपए जमा होने के बाद प्रिया और उसके दोनों साथियों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद चाकू से उसके चेहरे को बिगाड़ दिया। आरोपियों ने शव को सूटकेस में रखकर कार में डाला और आमेर इलाके में फेंक दिया था। इस मामले में प्रिया सेठ और दीक्षित कामरा 4 मई 2018 से जेल में हैं।

दीपावली महापर्व आज, लोगों ने तैयारी की, गंगापुर सिटी के बाजारों में खरीददारों की भीड़ लगी

दुकानदारों ने दीपावली की सजावट की, रंग बिरंगी रोशनी से नहाया बाजार

गंगापुर सिटी, (निसं)। आज रविवार को दीपावली महापर्व घर-घर में धूमधाम से मनाया जायेगा। इसके लिए सभी ने अपनी अपनी तैयारी पूर्ण कर ली है। करीब एक माह पहले से ही लोगों ने दीपावली महापर्व को धूमधाम से मनाए जाने की पूर्ण तैयारी कर ली थी। रविवार को शुभ मुहर्त में दीपावली पूजन किया जायेगा। इससे पहले शनिवार को रूप चतुर्दशी के अवसर पर महिलाओं ने श्रृंगार किया। दीपावली महापर्व की धनतेरस से शुरूआत होने के साथ ही बाजार सजने लग गए। मंगलवार को गोर्वधन पर्व मनाया जायेगा। इस दिन शहर के अधिकतर मंदिरों में अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया जायेगा एवं बुधवार को भाईदूज का महापर्व मनाया जायेगा।



गंगापुर सिटी में दिवाली पर्व को लेकर बाजारों में सजावट की गई।

बाजारों में लोगों ने की जमकर की खरीददारी :-दो दिन से बाजारों में लोगों द्वारा अपने घर के लिये नये सामान को खरीदने के लिये होड सी लगी रही। लोगों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार घर का सामान खरीदा जिससे धनतेरस पर बाजार में जमकर धनवर्षा हुई, जिससे दुकानदारों के चेहरे खिले हुए नजर आए। देशी सामान को लोगों ने ज्यादा पकड़ा और अपने घरों में जगह दी। सुबह से दिनभर गंगापुर के अधिकांश बाजारों में गंगापुर के आसपास के वजीरपुर, बामनवास, तलवाड़ा, सपोटरा आदि क्षेत्रों के लोग खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंचे और दिनभर अपने हिसाब से खरीदारी की। शहर के अधिकांश लोग खरीदारी करने के लिए शाम को बाजार पहुंचे। इस दौरान दिन भर दुकानों पर लोगों की खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही। इनमें कपड़े की दुकानों, रेडीमेड, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, मोबाइल और दोपहिया और चोपहिया वाहनों की दुकानों के साथ-साथ ज्वैलर्स की दुकान पर भी लोगों की भीड़ रही और लोग अपने हिसाब से खरीदारी करते दिखाई दिए।

वहीं हायर सैकण्डरी स्कूल के खेल मैदान में लगे आतिशबाजी बाजार में आज लोगों ने जमकर खरीददारी की। हायर सैकण्डरी स्कूल के खेल मैदान में लगी अस्थाई आतिशबाजी की दुकानों को दुकानदारों ने सजाया। बाजार में शहर सहित आसपास के लोगों ने जमकर खरीददारी की। शनिवार को आतिश मार्केट में भीड के चलते दुकानदारो के चेहरे खिले हुए नजर आए। आतिशबाजी के लिए अस्थाई लाइसेंस इस बार भी कलेक्टर के बजाय एडीएम द्वारा जारी किए गए। एडीएम ने बताया कि गंगापुर के अलावा बामनवास, बाटोदा और वजीरपुर से करीब 100 से ज्यादा लोगों के द्वारा आतिशबाजी के लिए आवेदन किए गए। एडीएम ने बताया कि गंगापुर में आतिशबाजी के लिए लॉटरी के जरिए दुकानों का आवंटन कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दुकानदारों को दुकानों पर पानी, मिट्टी की बाल्टी और अग्निशमन यंत्र रखना होगा, साथ ही मार्केट में नगर परिषद की ओर से दमकल को भी रखा जाएगा।

- **गंगापुर के अधिकांश बाजारों में वजीरपुर, बामनवास, तलवाड़ा, सपोटरा आदि क्षेत्रों के लोग खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंचे**

दीपोत्सव की तैयारी में जुटे ग्रामीण व शहरी लोग :-दीपावली की ग्राहकी शुरू होने से बाजारों में भीड़ दिखाई देने लगी है। हर दुकानदार ग्राहकों की भीड़ से खुश नजर आ रहा है। सोने, चांदी, पशुओं की सजावट, पोस्टर, रेडीमेड गारमेट्स, रंगोली, इलेक्ट्रॉनिक आइटम की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ होने से दुकानदार खुश नजर आए। दीपावली त्यौहार के चलते शहर और आसपास के क्षेत्र में लोग अपने घर और प्रतिष्ठानों को रंग रोगन के साथ-साथ रोशनी से भी सजावट करने में लगे हुए हैं। शहर में घरों के अलावा बाजारों में दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों शोरूम को लाइटों से रोशनी से सजावट की है, जिसके कारण घर और प्रतिष्ठा लाइटों से जगमग दिखाई दे रहे हैं। रात होते ही बाजार पूरी तरह से रोशनी से जगमग हो रहा है।

बीकानेर की हवा प्रदूषित हुई, एक्यूआई 294 पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। दीपावली की आतिशबाजी का असर बीकानेर की हवा पर दिखने लगा है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स शनिवार सुबह बढ़कर 294 तक पहुंच गया। गुरुवार को एक्युआई 235 था, जो शुक्रवार को 275 और शनिवार सुबह 294 हो गया। प्रदूषण के इस स्तर के बीच डॉक्टर ने सांस के मरीजों को मास्क पहनकर बाहर निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बीकानेर का एक्यूआई गुरुवार को 235 था। शुक्रवार को यह बढ़कर 275 हो गया। यानी एक दिन में 40 अंकों की बढ़ोतरी हुई। शनिवार सुबह तक इसमें 19 अंक और बढ़ गए और यह 294 पर पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार, 201 से 300 तक एक्यूआई खराब श्रेणी में आता है। इस लिहाज से बीकानेर की हवा फिलहाल खराब श्रेणी में है। 300 से ऊपर पहुंचने पर यह बहुत खराब श्रेणी में आ जाएगी।

एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों के स्तर के आधार पर वायु गुणवत्ता बताने का पैमाना है। इसमें मुख्य रूप से एक्यूआई 2.5, एक्यूआई 10 और अन्य प्रदूषकों को शामिल किया जाता है। एक्यूआई जितना अधिक होता है, हवा की गुणवत्ता उतनी ही खराब मानी जाती है। शहर में दीपावली के दौरान आतिशबाजी शुरू होने के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। शनिवार रात भी आतिशबाजी जारी रहने से एक्यूआई 300 के पार जाने की आशंका है। दीपावली तक प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है।

पिछले साल दीपावली के दौरान भी बीकानेर में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा था। उस समय एक्यूआई 400 के आसपास पहुंच गया था। इस बार भी आतिशबाजी के साथ प्रदूषण बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

- **पिछले साल दीपावली के दौरान भी बीकानेर में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा था**

बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने परिवहन विभाग सहित अन्य प्रशासनिक विभागों को पत्र लिखा है। इसमें प्रदूषण कम करने के प्रयास तेज करने की जरूरत जताई गई है। वाहनों से निकलने वाले धुएं और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों से कार्रवाई की अपेक्षा की गई है। बीकानेर में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन और रात के तापमान में 13 डिग्री का अंतर रहा। दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है, जबकि रात में हल्की सर्दी महसूस की जा रही है। डॉ. राहुल हर्ष ने सांस के मरीजों को बाहर निकलते समय मास्क पहनने और अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के ऐसे हालात में सांस के मरीजों को तकलीफ हो सकती है।

श्री भन्दे बालाजी को भोग लगाया

जयपुर। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को श्री भन्दे बालाजी धाम में श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति की ओर से समरस महाभोग का आयोजन किया गया। संस्थापक संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में सर्वसमाज की सहभागिता से 11 क्विंटल से अधिक देसी घी की बूंदी का महाभोग बालाजी महाराज को अर्पित किया गया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक समरसता और सेवा का संदेश दिया गया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद धाम की अखंड सिद्ध धुणी में पंचमेवा और घी से पूर्णाहुति अर्पित की गई। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद महाप्रसाद वितरण शुरू हुआ। बूंदी का प्रसाद कच्ची बस्तियों में भी वितरित किया गया, ताकि समाज के सभी वर्गों तक प्रसाद पहुंच सके। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्तिभाव से भाग लिया।